श्री शिवशंकरजी की आरती

हर हर हर महादेव !
सत्य, सनातन, सुन्दर, शिव सबके स्वामी ।
अविकारी अविनाशी, अज अन्तर्यामी ॥
हर हर हर महादेव !

आदि, अनन्त, अनामय, अकल, कलाधारी ।
अमल, अरूप, अगोचर, अविचल, अघहारी ॥
हर हर हर महादेव !

ब्रह्मा, विष्णु, महेश्वर तुम त्रिमूर्तिधारी ।
कर्ता, भर्ता, धर्ता, तुम ही संहारी ॥
हर हर हर महादेव !

रक्षक, भक्षक, प्रेरक, प्रिय औढरदानी ।
साक्षी, परम अकर्ता, कर्ता अभिमानी ॥
हर हर हर महादेव !

मणिमय-भवन निवासी, अति भोगी रागी ।
सदा श्मशान विहारी, योगी वैरागी ॥
हर हर हर महादेव !

छाल-कपाल, गरल-गल, मुण्डमाल व्याली ।
चिता भस्मतन त्रिनयन, अयनमहाकाली ॥
हर हर हर महादेव !

प्रेत-पिशाच-सुसेवित, पीत जटाधारी ।
विवसन विकट रूपधर, रुद्र प्रलयकारी ॥
हर हर हर महादेव !

शुभ्र-सौम्य, सुरसरिधर, शशिधर, सुखकारी ।
अतिकमनीय, शान्तिकर, शिवमुनि मन-हारी ॥
हर हर हर महादेव !

निर्गुण, सगुण, निरञ्जन, जगमय नित्य प्रभो ।
कालरूप केवल हर ! कालातीत विभो ॥
हर हर हर महादेव !

सत्, चित्, आनन्द, रसमय, करुणामय धाता ।

प्रेम-सुधा-निधि प्रियतम, अखिल विश्व त्राता ॥
हर हर हर महादेव !
हम अतिदीन, दयामय ! चरण-शरण दीजै ।
सब विधि निर्मल मति कर, अपना कर लीजै ॥
हर हर हर महादेव !